

## अजंता और एलोरा की गुफाएँ

### अजंता की गुफाएँ:

- अजंता की गुफाएँ महाराष्ट्र के औरंगाबाद में वाघोरा नदी के पास सह्याद्रि पर्वतमाला (पश्चिमी घाट) में रॉक-कट गुफाओं की एक श्रृंखला के रूप में स्थित हैं।
- इसमें कुल 29 गुफाएँ हैं, जो कि बौद्ध धर्म से सम्बंधित है।
- इन गुफाओं में से 25 को विहार या आवासीय गुफाओं के रूप में जबकि 4 को चैत्य या प्रार्थना हॉल के रूप में इस्तेमाल किया जाता था।
- ये सभी गुफाएँ द्वितीय शताब्दी ई॰पू॰ की हैं। यहाँ बौद्ध धर्म से सम्बन्धित चित्रण एवम् शिल्पकारी के उत्कृष्ट नमूने मिलते हैं। इनके साथ ही सजीव चित्रण भी मिलते हैं।
- ये गुफाएँ अजन्ता नामक गाँव के सन्निकट ही स्थित है, जो कि महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में है।
- अजंता की गुफाओं को वर्ष 1983 में यूनेस्को ने विश्व विरासत स्थल घोषित किया था।।



- अजंता की गुफाओं का विकास 200 ई.पू. से 650 ईस्वी के मध्य हुआ था।
- वाकाटक नरेश हरिसेन के संरक्षण में अजंता की गुफाएँ बौद्ध भिक्षुओं द्वारा उत्कीर्ण की गई थीं।
- अजंता की गुफाओं के बारे में जानकारी चीनी यात्रियों फ्राहियान और ह्वेन त्सांग के यात्रा वृतांतों में भी पाई जाती है।
- इन गुफाओं में आकृतियों को फ्रेस्को पेंटिंग का उपयोग करके दिखाया गया है।
- इन गुफाओं के चित्रों में लाल रंग का अधिक उपयोग हुआ है जबकि नीले रंग का उपयोग नहीं हुआ है।
- अजंता की गुफाओं के चित्रों में सामान्यतः बुद्ध और जातक कथाओं को प्रदर्शित किया गया है।

### एलोरा की गुफाएँ:

- एलोरा या एल्लोरा (मूल नाम वेरुल) एक पुरातात्विक स्थल है, जो भारत में औरंगाबाद, महाराष्ट्र से 30 कि.मि. की दूरी पर स्थित है। इन्हें राष्ट्रकूट वंश के शासकों द्वारा बनवाया गया था।

- एलोरा में 34 34 गुफाओं का एक समूह है, जो हिन्दू, बौद्ध और जैन धर्म से सम्बंधित है। इन गुफाओं में (1-12) बौद्ध, (13-29) हिन्दू और (30-34) जैन धर्म से संबंधित हैं।
- इन गुफाओं के समूह को 5वीं से 11वीं शताब्दी के मध्य विदर्भ, कर्नाटक और तमिलनाडु के विभिन्न शिल्पी संघों द्वारा विकसित किया गया था। इन्हें राष्ट्रकूट वंश के शासकों द्वारा बनवाया गया था।



- ये गुफाएँ विषय और स्थापत्य शैली के रूप में प्राकृतिक विविधता को दर्शाती हैं।
- एलोरा गुफाओं को वर्ष 1983 में यूनेस्को ने विश्व विरासत स्थल घोषित किया था।
- एलोरा की गुफाओं के मंदिरों में सबसे उल्लेखनीय कैलासा (कैलासनाथ; गुफा संख्या 16) है, जिसका नाम हिमालय के कैलास पर्वत के नाम पर रखा गया है।

